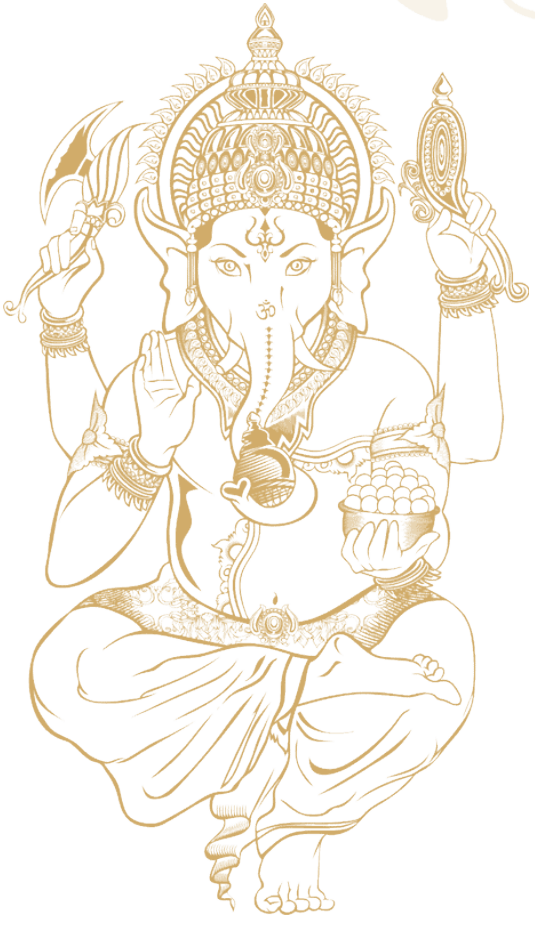

Mr.Chandr kanta joshi

19 Jan 1964

07:00 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120206704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/01/1964**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	29:07:27 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:25:08 घंटे
वेलान्तर	-00:10:30 घंटे
साम्पातिक काल	02:17:05 घंटे
सूर्योदय	07:21:01 घंटे
सूर्यास्त	18:09:48 घंटे
दिनमान	10:48:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:09:26 मकर
लग्न के अंश	16:51:44 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	16:51:44	314:25:42	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			मक	05:09:26	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	01:12:22	13:28:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मक	11:35:39	00:47:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	उच्च राशि
बुध			धनु	12:12:18	00:29:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	19:30:27	00:08:20	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	09:38:19	01:13:23	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मक	29:04:15	00:06:50	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मिथु	17:01:21	00:03:11	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	17:01:21	00:03:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष	व		सिंह	16:11:28	00:01:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	---
नेप			तुला	24:13:50	00:01:00	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		सिंह	20:35:29	00:01:00	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मेष	13:14:48	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:21:02

लग्न-चलित

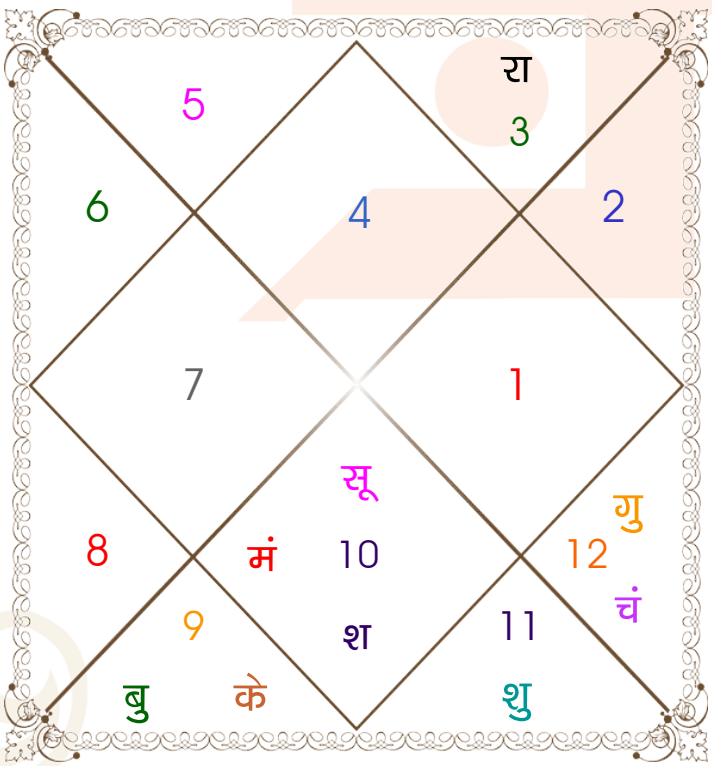

चन्द्र कुंडली

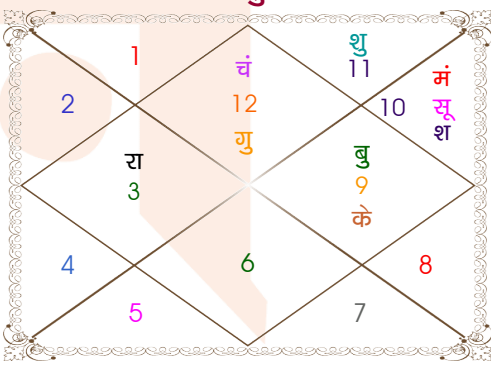

नवमांश कुंडली

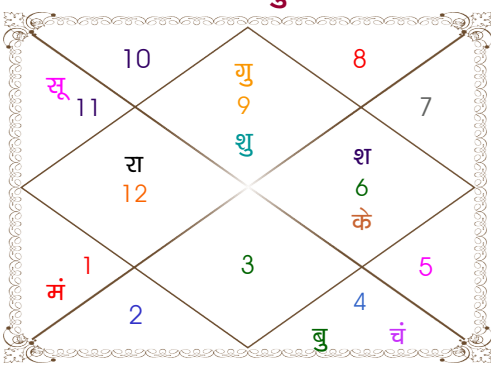

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 6 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/01/1964		09/08/1966		08/08/1985		09/08/2002		08/08/2009	
09/08/1966		08/08/1985		09/08/2002		08/08/2009		08/08/2029	
	00/00/0000	शनि	11/08/1969	बुध	05/01/1988	केतु	05/01/2003	शुक्र	08/12/2012
	00/00/0000	बुध	21/04/1972	केतु	01/01/1989	शुक्र	06/03/2004	सूर्य	08/12/2013
	00/00/0000	केतु	30/05/1973	शुक्र	02/11/1991	सूर्य	12/07/2004	चंद्र	09/08/2015
	00/00/0000	शुक्र	30/07/1976	सूर्य	08/09/1992	चंद्र	10/02/2005	मंगल	08/10/2016
	00/00/0000	सूर्य	12/07/1977	चंद्र	07/02/1994	मंगल	09/07/2005	राहु	09/10/2019
	00/00/0000	चंद्र	10/02/1979	मंगल	04/02/1995	राहु	28/07/2006	गुरु	09/06/2022
	19/01/1964	मंगल	21/03/1980	राहु	24/08/1997	गुरु	03/07/2007	शनि	08/08/2025
मंगल	15/03/1964	राहु	26/01/1983	गुरु	30/11/1999	शनि	11/08/2008	बुध	08/06/2028
राहु	09/08/1966	गुरु	08/08/1985	शनि	09/08/2002	बुध	08/08/2009	केतु	08/08/2029

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/08/2029		09/08/2035		08/08/2045		08/08/2052		09/08/2070	
09/08/2035		08/08/2045		08/08/2052		09/08/2070		00/00/0000	
सूर्य	26/11/2029	चंद्र	08/06/2036	मंगल	05/01/2046	राहु	21/04/2055	गुरु	26/09/2072
चंद्र	28/05/2030	मंगल	07/01/2037	राहु	23/01/2047	गुरु	14/09/2057	शनि	09/04/2075
मंगल	02/10/2030	राहु	09/07/2038	गुरु	30/12/2047	शनि	21/07/2060	बुध	15/07/2077
राहु	27/08/2031	गुरु	08/11/2039	शनि	07/02/2049	बुध	07/02/2063	केतु	21/06/2078
गुरु	14/06/2032	शनि	09/06/2041	बुध	04/02/2050	केतु	26/02/2064	शुक्र	19/02/2081
शनि	27/05/2033	बुध	08/11/2042	केतु	03/07/2050	शुक्र	26/02/2067	सूर्य	08/12/2081
बुध	03/04/2034	केतु	09/06/2043	शुक्र	02/09/2051	सूर्य	20/01/2068	चंद्र	09/04/2083
केतु	09/08/2034	शुक्र	07/02/2045	सूर्य	08/01/2052	चंद्र	21/07/2069	मंगल	19/01/2084
शुक्र	09/08/2035	सूर्य	08/08/2045	चंद्र	08/08/2052	मंगल	09/08/2070		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।